|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Dersin Adı** | | **Kodu** | **Yarıyıl** | **T+U** | **Kredi** | **AKTS** | | **İletişim Sosyolojisi** | |  | 2 | 2+0 | 2 | 3 | | Ön koşul Dersler |  | | | | | | | Dersin Dili | Türkçe | | | | | | | Dersin Türü | Alan seçmeli | | | | | | | Dersin Koordinatörü |  | | | | | | | Dersi Veren |  | | | | | | | Dersin Yardımcıları |  | | | | | | | Dersin Amacı | İletişimin yeni bir olay olmadığını, toplumsal boyutunun önemli olduğunu ve sosyolojik açıdan toplumsal bir kurum olarak nasıl ele alınıp inceleneceğini göstermektir. | | | | | | | Dersin Öğrenme Çıktıları | Bu dersin sonucunda öğrenci;   1. Medya-toplum etkileşiminin kavramsal ve olgusal temellerini öğrenir. 2. Medya ve toplumsal temelli olgulara, tarafsız ve eleştirel yaklaşmayı öğrenir 3. Kitle iletişimi ve medyayı sosyolojik olarak değerlendirme bilgisini öğrenir. 4. Yeni ve dijital medya mecralarını tanır ve bu alanlardaki sosyolojik temellerini istediğinde kendisine alan açabilir. | | | | | | | Dersin İçeriği | Bu ders; iletişimin iş hayatı, aile hayatı ve sosyal hayattaki önemi, fiziksel gerçeğin belirsiz olduğu hallerde insanların iletişimi, dolaylı ve doğrudan iletişimin etki dereceleri, propaganda türündeki iletişimin insan psikolojisindeki etkileri, iletişim kaynağının genel özellikleri, kaynağın saygın ve güvenilirliği, görüş farkının iletişimdeki olumsuz etkileri, fiziksel ve sosyal çevrenin iletişimdeki etkileri gibi konuları içerir. | | | | | | | **Haftalar** | **Konular** | | | | | | | 1 | Sosyolojinin tanımı ve iletişim sosyolojisinin kısa tarihçesi | | | | | | | 2 | Medya-toplum etkileşiminin kavramsal ve olgusal temelleri | | | | | | | 3 | Medya-şiddet ilişkisi ve sivil itaatsizlik | | | | | | | 4 | Küreselleşme çağında alternatif medya hareketleri | | | | | | | 5 | Medya kültürü ve postmodernizm | | | | | | | 6 | Medya ve cinsiyetçi ideoloji-cinsiyetçi söylem | | | | | | | 7 | Medya ve kamusal alan | | | | | | | 8 | Medya ve nefret söylemi (“hate speech”) | | | | | | | 9 | Gözetim toplumu ve geleceğin iletişim toplumu distopyaları | | | | | | | 10 | Televizyon dizileri ve sosyolojisi | | | | | | | 11 | Görsel kültür, medya ve özel yaşam | | | | | | | 12 | Hacker etiği ve dijital çağda hacktivizm | | | | | | | 13 | Dijital aktivizm, yurttaş gazeteciliği ve medya bloggerları | | | | | | | 14 | Dijital iletişim çağında medya-okuryarlığı ve dijital okur-yazarlık | | | | | |  |  | | --- | | **Genel Yeterlilikler** | | Öğrencilerden bu dersin ana konularını anlamaları ve alanları ile uygulamalarında kullanmaları beklenir. | | **Kaynaklar** | | Bauman, Z. (1999). *Sosyolojik Düşünmek*, (çev. Abdullah Yılmaz), Ayrıntı Yayınları.  Bourdieu P. (2020). *Televizyon Üzerine*, (çev. Turhan Ilgaz), Yapı Kredi Yayınları.  Postmon, N. (2016). *Televizyon: Öldüren Eğlence*, (çev. Osman Akınhay), Ayrıntı Yayınları, İstanbul.  Türkoğlu N. (2004). *Toplumsal İletişim*, Babil Yayınları. | | **Değerlendirme Sistemi** | | Dönem başında ders izlencelerinde belirtilir. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **PROGRAM ÖĞRENME ÇIKTILARI İLE**  **DERS ÖĞRENİM ÇIKTILARI İLİŞKİSİ TABLOSU** | | | | | | | | | | | | | | | | |  | **PÇ1** | | **PÇ2** | **PÇ3** | | **PÇ4** | **PÇ5** | | **PÇ6** | **PÇ7** | | **PÇ8** | **PÇ9** | | **PÇ10** | | **ÖÇ1** | 2 | | 1 | - | | - | 1 | | - | - | | 3 | 3 | | 2 | | **ÖÇ2** | 2 | | 1 | - | | - | 1 | | - | - | | 3 | 3 | | 2 | | **ÖÇ3** | 3 | | 3 | - | | - | 1 | | - | - | | 3 | 3 | | 2 | | **ÖÇ4** | 2 | | 1 | - | | - | 1 | | - | - | | 3 | 3 | | 2 | | **ÖÇ: Öğrenme Çıktıları PÇ: Program Çıktıları** | | | | | | | | | | | | | | | | | **Katkı**  **Düzeyi** | | **1 Çok Düşük** | | | **2 Düşük** | | | **3 Orta** | | | **4 Yüksek** | | | **5 Çok Yüksek** | |   Program Çıktıları ve İlgili Dersin İlişkisi   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Ders** | **PÇ1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | | İletişim Sosyolojisi | 2 | 1 | - | - | 1 | - | - | 3 | 3 | 2 | |